हरिभूमि
विराट भूमि
शहडोल | बुढ़ार | धनपुरी | ब्यौहारी | जयसिंहनगर | बाणसागर

जबलपुर, बुधवार 31 दिसंबर 2025
login : www.haribhoomi.com

शहडोल नपा में गैस पाइप लाइन के नाम पर महाघोटाला!

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ीं शहर की नई सड़कें

साहबों की सांठ-गांठ से सरकार को करोड़ों का चूना

फोटो क्रमांक-01,02

शहडोल।

भ्रष्टाचार की दीमक ने शहडोल नगरपालिका परिषद को भीतर से खोखला करना शुरू कर दिया है। शहर के विकास के लिए जनता के खून-पसीने की कमाई से बनाई गई चमचमाती सडक़ों को रसूखदार अधिकारियों और ठेकेदारों की जुगलबंदी ने मटियामेट कर दिया है। ताजा मामला भारत पेट्रोलियम लिमिटेड की गैस पाइपलाइन बिछाने के नाम पर किए गए करोड़ों रुपये के कथित घोटाले और नियम विरुद्ध कार्य का है, जिसकी शिकायत अब कमिश्नर तक पहुंच चुकी है ।

अधिकारियों का अभयदान और सरेआम मनमानी

नगरपालिका के मुख्य नगरपालिका अधिकारी अक्षत बुंदेला और उपयंत्री शरद द्विवेदी पर आरोप लगे हैं कि उन्होंने निजी आर्थिक लाभ के चक्कर में गैस पाइपलाइन डालने वाले ठेकेदार को शहर को तहस-नहस करने की खुली छूट दे दी है । शिकायतकर्ता नीरज कुमार सराफ ने सीधा आरोप लगाया है कि अधिकारियों ने लाखों-करोड़ों रुपये की रिश्वत लेकर ठेकेदार को बिना किसी वैध अनुमति या आदेश के जहाँ मर्जी वहां सडक़ और नाली तोडऩे की आजादी दे दी है ।

लाखों की सडक़ों को किया कबाड़

शिकायत पत्र में उन वार्डों का कच्चा चि_ा खोला गया है जहाँ भ्रष्टाचार की इबारत लिखी गई है, वार्ड नं. 32 पप्पू मंगलानी के घर से चपरा क्वार्टर तक लगभग 1 वर्ष पहले बनी 3 लाख की सी.सी. रोड को बिना अनुमति खोद दिया गया। वार्ड नं. 32 चावड़ा जी के घर से यादव जी के घर तक बनी 3 लाख की नई सडक़ को भी पाइपलाइन के नाम पर मलबे में तब्दील कर दिया गया । वार्ड नं. 35 किशोर किराना के सामने से जैन मंदिर जाने वाली मुख्य रोड, जिसकी लागत लगभग 10 लाख रुपये थी, उसे भी अधिकारियों की शह पर उखाड़ फेंका गया है ।

अनुमति खत्म, फिर भी जारी है सडक़ों का कत्लेआम

दस्तावेजों के अनुसार, नगरपालिका द्वारा जारी अनुमति आदेश क्रमांक 3240 की समय सीमा 18 जुलाई 2025 को ही समाप्त हो चुकी है। इसके बावजूद, ठेकेदार शहर के वार्डों में धड़ल्ले से खुदाई कर रहा है । सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह है कि वार्ड नंबर 32 की पार्षद श्रीमती सुगंधिता सराफ द्वारा जब अनुमति मांगी गई, तो ठेकेदार के कर्मचारी हफ्तों तक टाल-मटोल करते रहे और अंत में मात्र एक पन्ने की छायाप्रति थमा दी गई । सवाल यह उठता है कि जब समय सीमा समाप्त हो गई, तो किसके संरक्षण में शहर को खोदा जा रहा है?

साहबों की जेब गर्म, सरकारी खजाना खाली

नपा अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए शिकायत में कहा गया है कि शरद द्विवेदी जैसे जिम्मेदार अधिकारी, जिन्हें कार्य की निगरानी करनी थी, उन्होंने अपनी आंखों पर पट्टी बांध ली है । नियमानुसार सडक़ तोडऩे के बदले जो राजस्व नगरपालिका के खाते में जमा होना चाहिए था, वह कथित तौर पर अधिकारियों की निजी जेबों में जा रहा है, जिससे शासन को करोड़ों रुपये की आर्थिक क्षति हो रही है ।

जांच और वसूली की उठी मांग

पीड़ित नागरिक ने कमिश्नर से गुहार लगाई है कि भ्रष्ट अधिकारी अक्षत बुंदेला और उपयंत्री शरद द्विवेदी को तत्काल प्रभाव से पद से हटाया जाए। साथ ही इनके कार्यकाल के दौरान हुए भ्रष्टाचार की उच्च स्तरीय जांच कराकर इनसे राशि की वसूली की जाए और दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए । शहर की जनता अब जवाब मांग रही है: क्या शहडोल की सडक़ों को इसी तरह अधिकारियों के निजी स्वार्थ के लिए खोदा जाता रहेगा, क्या ऊपर बैठे जिम्मेदार इस महाघोटाले पर संज्ञान लेंगे या फिर सांठ-गांठ का यह खेल यूं ही चलता रहेगा।

खबर संक्षेप

सामतपुर में बंदरों का खूनी तांडव

शहडोल। सोहागपुर तहसील के ग्राम सामतपुर में बंदरों का आतंक अपनी चरम सीमा पर पहुंच गया है। स्थिति इतनी भयावह है कि बंदर अब न केवल फसलों और घरों को तबाह कर रहे हैं, बल्कि मासूम बच्चों पर भी जानलेवा हमला कर उन्हें घायल कर रहे हैं। परेशान ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर गुहार लगाई है कि उन्हें इन बंदरों से निजात दिलाई जाए। शिकायत में बताया गया कि बंदरों के झुंड ने खपरैल मकानों को तोड़ दिया है और साग-सब्जी की फसलों को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। सबसे अधिक प्रभावित गरीब आदिवासी परिवार हैं, जिनकी आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से नुकसान का सर्वे कराकर उचित मुआवजा देने और बंदरों को पकडऩे के लिए विशेष अभियान चलाने की मांग की है।

एयर स्ट्रिप उमरिया में मुख्यमंत्री का किया गया स्वागत

उमरिया। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का उमरिया एयर स्ट्रिप में कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता, डीआईजी सुश्री सविता सुहाने, कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन, पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी ने भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर क्षेत्र संचालक बांधवगढ टाईगर रिजर्व अनूपम सहाय, वनमंडलाधिकारी विवेक सिंह, सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, प्रभारी एसडीएम कमलेश नीरज, एसडीओपी पुलिस नागेन्द्र प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने आए लोगों की सुनी समस्याएं

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जनसुनवाई में शहडोल जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनी तथा निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में अमलई निवासी गौरीशंकर मिश्रा ने रिकार्ड दुरूस्त करने, ग्राम विक्रमपुर निवासी राजकुमार नामदेव ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, ग्राम बलबहरा निवासी देवेंद्र कुमार नामदेव ने ग्राम बलबहरा में पक्की नाली की स्वीकृत प्रदान करने, ग्राम बुड़वा निवासी युवराज सिंह बैस ने शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बुड़वा में अतिथि शिक्षक की भर्ती प्रक्रिया में अनियमितता की जांच कराने, ग्राम अटरिया निवासी रोहिणी प्रसाद महरा ने फौती नामातंरण की कार्यवाही कराने संबंधी आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर आवेदन प्रेषित कर शीघ्रता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए।

कमिश्नर कार्यालय में आयोजित हुई जनसुनवाई

शहडोल। आयुक्त कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में उपायुक्त राजस्व श्रीमती मिनिषा पाण्डेय एवं संयुक्त आयुक्त विकास मगन सिंह कनेश ने शहडोल संभाग के दूर-दराज से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनी और उनके निराकरण समय-सीमा में करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में शहडोल जिले के ग्राम समान निवासी श्रीमती मीना बैस ने शासकीय पीएम श्री कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बुड़वा में अतिथि शिक्षक की भर्ती प्रक्रिया में हुए अनियमितता की जांच कराने, शहडोल वार्ड नम्बर 28 निवासी सुशील कुमार वर्मा ने इंदिरा चौक से लल्लू सिंह चौक मॉडल रोड में हुए अतिक्रमण हटाने, अनूपपुर जिले के ग्राम पयारी निवासी जयंत कुमार चौधरी ने सहायता राशि उपलब्ध कराने, ग्राम करपा निवासी कोलई सिंह परस्ते सेवा (निवृत्त शिक्षक) ने अवकाश नगदीकरण का भुगतान कराने, उमरिया जिले के ग्राम नौगजा निवासी पूनम साहू ने भूमि का नामातंरण कराने, ग्राम अमिलिहा निवासी कतकू बैगा ने आवासीय भूमि का पटटा दिलाने के लिए आवेदन दिया।

अवैध रेत परिवहन करते ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त, आरोपी गिरफ्तार

ब्यौहारी। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अवैध उत्खनन और खनिज के काले कारोबार के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत ब्यौहारी पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने घेराबंदी कर अवैध खनिज का परिवहन कर रहे एक बिना नंबर के ट्रैक्टर को जप्त कर आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया है।

मुखबिर की सूचना पर दबिश

जानकारी के अनुसार, 29 दिसंबर को थाना प्रभारी (प्र.उ.पु.अ.) ऋषभ छारी को मुखबिर से सटीक सूचना प्राप्त हुई कि एक नीले रंग की सोनालिका ट्रैक्टर-ट्रॉली अवैध रूप से खनिज लोड कर परिवहन कर रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए मौके पर दबिश दी और बिना रजिस्ट्रेशन नंबर वाले वाहन को धर दबोचा। जांच करने पर ट्रॉली में लगभग 03 घनमीटर अवैध खनिज लोड पाया गया, जिसके संबंध में चालक कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सका।

मालिक और चालक पर शिकंजा

पुलिस ने मौके पर कार्यवाही करते हुए वाहन को जप्त कर लिया है। मामले में आरोपी चालक राजकुमार सिंह उम्र 35 वर्ष और वाहन मालिक राघवेन्द्र कुशवाहा, दोनों निवासी भमरहा द्वितीय, के विरुद्ध बीएनएसएस, खनिज अधिनियम और मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस सख्त कार्यवाही में थाना प्रभारी ऋषभ छारी के नेतृत्व में उप निरीक्षक बालकरण प्रजापति, आरक्षक गंगा सागर गुप्ता और ऋषभ शुक्ला की मुख्य भूमिका रही। पुलिस की इस सक्रियता से क्षेत्र के खनिज माफियाओं में हडक़ंप मचा हुआ है।

एसईसीएल की विनाशकारी नीति: जमीन छिनी, भविष्य रौंदा और अब लाठियों के दम पर काला हीरा निकालने की साजिश

शहडोल।

कोयले की कालिख अब केवल खदानों तक सीमित नहीं रही, बल्कि एसईसीएल प्रबंधन के चरित्र पर भी गहरे दाग लगा रही है। रामपुर-बटुरा ओसीएम मेगा प्रोजेक्ट में उपजाऊ जमीन गंवा चुके किसानों का धैर्य बुधवार को जवाब दे गया। नौकरी, मुआवजे और पुनर्वास के झूठे वादों की चिता पर खड़ी इस परियोजना को ग्रामीणों ने चक्काजाम कर पूरी तरह ठप्प कर दिया। आलम यह है कि करोड़ों का नुकसान झेल रही एसईसीएल अब संवाद के बजाय पुलिसिया बल और सुरक्षाकर्मियों के दम पर आदिवासियों और किसानों की आवाज दबाने पर उतारू है।

वादाखिलाफी का मेगा प्रोजेक्ट

रामपुर क्षेत्र के ग्रामीणों का आरोप है कि एसईसीएल ने विस्तार के नाम पर उनकी उपजाऊ कृषि भूमि तो झपट ली, लेकिन बदले में जो वादे किए थे, वे फाइलों में दफन होकर रह गए। नियम कहते हैं कि विस्थापित परिवारों को स्थायी नौकरी और बाजार मूल्य पर मुआवजा मिलना चाहिए, लेकिन यहाँ का सच कड़वा है। किसान भूपेश शर्मा और रमेश सिंह की व्यथा पूरे क्षेत्र की कहानी है, न घर बचा, न खेत रहे और न ही हाथों में रोजगार है। प्रबंधन ने एक परिवार-एक नौकरी का जो झुनझुना थमाया था, उसे अब ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है।

खेती तबाह, धूल फांकने को मजबूर ग्रामीण

प्रबंधन की लापरवाही ने केवल जमीन ही नहीं ली, बल्कि आसपास के पर्यावरण का भी मर्डर कर दिया है। खदान से निकलने वाली कोयले की जहरीली धूल ने फसलों को बर्बाद कर दिया है और ब्लास्टिंग के कारण घरों में दरारें पड़ चुकी हैं। पानी के स्रोत सूख गए हैं और जो बचा है वह प्रदूषित हो चुका है। ग्रामीण अपने ही हक के लिए टेंट लगाकर सडक़ों पर बैठने को मजबूर हैं, जबकि प्रबंधन के एसी कमरों में बैठे अधिकारी सब ठीक है का राग अलाप रहे हैं।

वर्दी का खौफ और सुरक्षाबलों की गुंडागर्दी

हैरानी की बात तो तब हुई जब लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन कर रहे ग्रामीणों पर पुलिस और स्वश्टरु के सुरक्षा अधिकारियों ने बल प्रयोग करने की कोशिश की। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो गवाह हैं कि कैसे अपनी जमीन और हक मांग रहे ग्रामीणों के साथ झूमा-झपटी और धक्का-मुक्की की गई। यह सीधे तौर पर खाकी और मैनेजमेंट के उस खूनी गठजोड़ को उजागर करता है, जो गरीबों को कुचलकर अपना मुनाफा कमाना चाहता है।

प्रतिदिन करोड़ों का फटका

खदान ठप्प होने से एसईसीएल को प्रतिदिन लगभग 1 करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान हो रहा है। उत्पादन, लोडिंग और डिस्पैच बंद है, लेकिन प्रबंधन की हेकड़ी कम नहीं हो रही। कई दौर की बातचीत बेनतीजा रही क्योंकि अधिकारी सिर्फ आश्वासन की मीठी गोलियां दे रहे हैं। स्थानीय ट्रांसपोर्टरों ने भी स्पष्ट कर दिया है कि जब तक बाहरी लोगों को प्राथमिकता देना बंद नहीं होगा और स्थानीय युवाओं को रोजगार नहीं मिलेगा, एक भी पहिया नहीं घूमेगा।

अंतिम चेतावनी: अब आर-पार की जंग!

आंदोलनकारियों ने दो टूक कह दिया है कि साहब, अब कागज नहीं, अधिकार चाहिए। जब तक स्थायी नौकरी, लंबित मुआवजे का भुगतान और पुनर्वास की लिखित गारंटी नहीं मिलती, तब तक रामपुर-बटुरा मेगा प्रोजेक्ट में कोयले का एक दाना भी बाहर नहीं जाने दिया जाएगा। यदि प्रबंधन ने अपनी तानाशाही नहीं छोड़ी, तो यह आंदोलन उग्र रूप धारण करेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी एसईसीएल और जिला प्रशासन की होगी।

आम रास्ता रोककर गरीबों पर ढा रहे सितम, क्या रक्षक ही बन गए भक्षक

शहडोल में खाकी और रसूख का खूनी गठजोड़!

शहडोल।

जिले के गोहपारू थाना अंतर्गत ग्राम चुहिरी से एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है जिसने पुलिस प्रशासन की निष्पक्षता पर कालिख पोत दी है। यहां एक दबंग ग्रामीण और पुलिस आरक्षक की जुगलबंदी ने न केवल 60 साल पुराने आम रास्ते को अवरुद्ध कर दिया है, बल्कि विरोध करने वाले निर्धन आदिवासियों को मर्डर कराने की धमकी तक दी जा रही है। मंगलवार को पीड़ित ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुँचकर अपनी जान-माल की सुरक्षा की गुहार लगाई है ।

60 साल पुराने रास्ते पर आरक्षक की शह पर कब्जा

शिकायत के मुताबिक, ग्राम चुहिरी के वार्ड नंबर 8 में पिछले 6 दशक से ग्रामीण जिस मुख्य रास्ते का उपयोग कर रहे थे, उस पर गांव के ही दबंग बुद्धसेन पनिका ने जबरन कब्जा कर निर्माण कार्य शुरू कर दिया है । हैरानी की बात यह है कि इस अवैध कार्य में उसे गोहपारू थाने में पदस्थ आरक्षक शुक्ला जी का सीधा संरक्षण प्राप्त है । आरोप है कि आरक्षक शुक्ला ने अपनी वर्दी का खौफ दिखाकर ग्रामीणों को धमकाया और दबंग के साथ मिलकर रास्ते पर दीवार खड़ी करवा दी, जिससे 40 परिवारों का निस्तार पूरी तरह ठप हो गया है ।

डेढ़ लाख दो तो कब्जा हटेगा

ग्रामीणों का आरोप और भी गंभीर है। जब पीड़ित ग्रामीण शिकायत लेकर थाने पहुँचे, तो आरक्षक शुक्ला ने न्याय देने के बजाय सरेआम सौदेबाजी शुरू कर दी। ग्रामीणों ने शिकायत पत्र में उल्लेख किया है कि आरक्षक ने साफ कहा अभी डेढ़ लाख रुपये दो, मैं तत्काल कब्जा हटवा दूंगा । जब निर्धन ग्रामीणों ने इतनी बड़ी राशि देने में असमर्थता जताई, तो उन्हें गंदी-गंदी गालियां दी गईं और झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर भगा दिया गया ।

गरीबों को मर्डर की धमकी और अवैध वसूली का खेल

दबंग बुद्धसेन पनिका का दुस्साहस इतना बढ़ गया है कि वह खुलेआम कहता है, मैं किसी से नहीं डरता, पुलिस और कोर्ट मेरी जेब में हैं। उसने ग्रामीणों पर दबाव बनाया है कि प्रत्येक व्यक्ति उसे 20-20 हजार रुपये दे, वरना रास्ता नहीं खुलेगा । विरोध करने पर चरण पनिका नामक ग्रामीण के साथ मारपीट की गई और उसे लात-घूंसों से पीटा गया । अब ग्रामीण खौफ के साये में जीने को मजबूर हैं क्योंकि उन्हें आरक्षक और दबंगों द्वारा मर्डर कराने की धमकी दी जा रही है ।

प्रशासन की चुप्पी पर सवाल

यह मामला न केवल भ्रष्टाचार का है, बल्कि मानवाधिकारों का खुला उल्लंघन भी है। सवाल यह है कि क्या एक आरक्षक इतना शक्तिशाली हो गया है कि वह सरेआम रिश्वत मांग सके? क्या शहडोल पुलिस के आलाधिकारी अपने महकमे में छिपे ऐसे कर्मचारियों पर नकेल कसेंगे? ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही रास्ता बहाल नहीं किया गया और भ्रष्ट आरक्षक पर कार्यवाही नहीं हुई, तो वे उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे ।

श्रमिक अधिकारों पर प्रहार बर्दाश्त नहीं: विनय

मजदूरों के हक की अंतिम उम्मीद है एचएमएस

शहडोल। एसईसीएल सोहागपुर स्थित कोयला मजदूर पंचायत के क्षेत्रीय कार्यालय में रविवार को हिंद मजदूर सभा का स्थापना दिवस जोश और संकल्प के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में तमाम श्रमिक हितों की रक्षा के लिए आर-पार की लड़ाई का आह्वान किया।

स्वतंत्र और लोकतांत्रिक विचारधारा ही ताकत

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता, कोयला मजदूर पंचायत के महामंत्री एवं हिंद खदान मजदूर फेडरेशन के संगठन सचिव विनय सिंह ने अपने संबोधन में तीखे तेवर अपनाते हुए कहा कि हिंद मजदूर सभा देश का एकमात्र ऐसा संगठन है जो पूरी तरह स्वतंत्र, स्वलंबी और प्रजातांत्रिक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज के दौर में जब राजनीतिक दबाव के कारण श्रमिक अधिकारों को कुचला जा रहा है, तब एचएमएस जैसे गैर-राजनीतिक संगठन की जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है।

श्रमिकों के दमन के विरुद्ध एकजुटता का आह्वान

श्री सिंह ने संगठन के गौरवशाली इतिहास और संघर्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि एचएमएस ने कभी भी मजदूर हितों से समझौता नहीं किया है। कार्यक्रम में धनपुरी नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष हंसराज तनवर, जय प्रकाश सिंह और अजय सिंह सहित अन्य वक्ताओं ने भी वर्तमान चुनौतियों पर प्रहार किया। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि यदि श्रमिक अधिकारों पर दबाव बढ़ाया गया, तो संगठन सडक़ों पर उतरकर उग्र आंदोलन करेगा। क्षेत्रीय अध्यक्ष किशोरी मोहन सिंह के संचालन में हुए इस कार्यक्रम में पुष्पेंद्र त्रिपाठी, पवन मिश्रा और रामकेर सहित दर्जनों पदाधिकारियों ने संगठन की मजबूती और शोषण के विरुद्ध एकजुट रहने का संकल्प लिया।

कार्यालय नगर परिषद बुढ़ार जिला शहडोल (म.प्र.) Email Id – cmobhudhar@mpurban.gov.in

क्रमांक/1954/न. परि /2025 // निविदा सूचना // बुढ़ार, दिनांक :- 29/12/225

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण http://www.gem.gov.in बेवसाईट पर देखा जा सकता है ।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक एवं टेण्डर आई.डी.	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	GEM/2025/B/7042358 24-12-2025	Handcrafted Showpiece and statue	कार्य की समयावधि 30 दिवस लागत- 10.00 लाख	10000.00	08.01.2026 20:00 PM

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन बेवसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद् बुढ़ार जिला - शहडोल (म.प्र.)

खबर संक्षेप

जल संचय अभियान के तहत ग्राम में किया गया दीवार लेखन

उमरिया। जन अभियान परिषद उमरिया के जिला समन्वयक रविंद्र शुक्ला के निर्देशन में,सेक्टर 3 की परामर्शदाता जयभारती साहू के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत घघरी में जल संचय अभियान के तहत ग्राम में दीवार लेखन कर जन जागरूकता का कार्य किया गया जिसमें ग्रामीणों को जल संरक्षण व जल संचय के मुख्य उद्देश्य वर्षा जल को बचाना, भूजल स्तर को बढ़ाना, सूखे से निपटना, पानी की कमी दूर करना, और पानी की गुणवत्ता में सुधार करना है ताकि भविष्य के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और पारंपरिक जल स्रोतों पर निर्भरता कम हो सके। यह भूमि कटाव रोकने और प्रदूषण कम करने में भी मदद करता है, जिससे पानी की उपलब्धता और स्थिरता बढ़ती है। कार्यक्रम में परामर्शदाता संतोष त्रिपाठी व नगर नगर विकास प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष ममता जैन व छात्रा निवेदिता वर्मा उपस्थित रहे।

17 बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर स्थापित होंगे

उमरिया। परियोजना संचालक आत्मा ने बताया कि भारत सरकार द्वारा प्राकृतिक खेती को बढावा देने हेतु नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग योजना के तहत उमरिया जिले में प्राकृतिक खेती के 25 क्लस्टर बनाये गये है, जिसमे प्रत्येक 3 क्लस्टर पर 2 बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर (बी.आर.सी.) का स्थापना की जानी है। बी.आर.सी. स्थापना हेतु स्थानीय कृषक, कृषि उद्यमी, किसान उत्पाद संगठन, स्वयं सहायता समूह, प्राथमिक सेवा सहाकारी समिति मर्या. आवेदन कर सकते है। आवेदन पत्र परियोजना संचालक आत्मा कार्यालय/ विकासखण्ड स्तरीय वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी व बी0टी0एम0 कार्यालय से प्राप्त कर सकते है तथा आवेदन निर्धारित प्रपत्र में 10 जनवरी 2026 तक शाम 6 बजे तक परियोजना संचालक आत्मा कार्यालय/विकासखण्ड स्तरीय वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी व बी0टी0एम0 कार्यालय में जमा करा सकते है। आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेजो में संस्था का पंजीयन, आधार कार्ड, पेन कार्ड, सदस्यों की सूची, उत्पादन भण्डार व्यवस्था कम से कम दो वर्षो का प्राकृतिक खेती का अनुभव, बी.आर.सी. संचालन का प्लान देना होगा आवेदक को अपने खेत में जैव इनपुट का उपयोगकर्ता होना चाहीये बी.आर.सी. के पास पशुधन, पौधो पर आधारित बायोमास जैसे कच्चे माल की पर्याप्त उपलब्धता होनी चाहिये यदि गौमूत्र और गोबर की आपूर्ति स्वयं नही हो तो 5 कि.मी. के दायरे में गौशाला होना आवश्यक है।

पीडब्ल्यूडी का बड़ा कारनामा

ठेकेदार की अमानत राशि गायब, ऑपरेटर पर फोड़ा ठीकरा

सरकारी खजाने में सेंध या तकनीकी खेल?

शहडोल। भ्रष्टाचार और लापरवाही के लिए अक्सर सुर्खियों में रहने वाला लोक निर्माण विभाग एक बार फिर गंभीर सवालों के घेरे में है। शहडोल मण्डल में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने विभाग की कार्यप्रणाली की धज्जियां उड़ा कर रख दी हैं। मामला सरकारी पैसे की बंदरबांट और उसे छिपाने के लिए बुने गए तकनीकी खराबी के मायाजाल का है।

यह है पूरा मामला

सकरिया से गोडारू हायर सेकेंडरी स्कूल तक 3 किलोमीटर की सडक़ निर्माण के लिए निविदा बुलाई गई थी । सफल ठेकेदार मेसर्स अवध कंस्ट्रक्शन को अनुबंध के लिए 15 दिन का समय दिया गया था, लेकिन ठेकेदार ने काम में कोई रुचि नहीं दिखाई । नियमानुसार, अनुबंध न करने की स्थिति में ठेकेदार की अमानत राशि 2,89,360 रुपये राजसात (जब्त) की जानी थी ।

जादुई सॉफ्टवेयर और मेहरबान अधिकारी

हैरानी की बात तब शुरू हुई जब विभाग ने दावा किया कि पोर्टल पर फोरफीट (जब्त) करने की कोशिश की गई, लेकिन एमपी टेंडर्स की वेबसाइट में तकनीकी समस्या आ गई । नतीजा उक्त राशि सरकारी खजाने में जाने के बजाय सीधे ठेकेदार के बैंक खाते में रिफंड हो गई । जांच रिपोर्ट की सख्त टिप्पणी ने इस खेल की पोल खोल दी है। रिपोर्ट में स्पष्ट कहा गया है कि बिना संभागीय कार्यालय से विमुक्त किए, राशि का ठेकेदार के खाते में पहुंचना संभव ही नहीं है । इसे सीधे तौर पर वित्तीय अनियमितता और शासन को आर्थिक क्षति पहुंचाने वाला कृत्य माना गया है ।

ऑपरेटर बना बलि का बकरा

जब मामला गहराया और गर्दन फंसती दिखी, तो

सारा दोष आउटसोसं कंप्यूटर ऑपरेटर देवांश कुमार बर्मन के सिर मढ़ दिया गया । जांच में पाया गया कि ऑपरेटर की लापरवाही से राशि राजसात होने के बजाय रिलीज हो गई । विभाग ने आनन-फानन में ऑपरेटर को काम से हटा दिया और उससे 2,89,360 रुपये की भरपाई एफडीआर के माध्यम से करा ली । सवाल यह उठता है कि क्या एक अदना सा ऑपरेटर इतनी बड़ी राशि का लेन-देन अपनी मर्जी से कर सकता है, क्या बड़े अधिकारियों की इसमें कोई भूमिका नहीं थी, हालांकि, तत्कालीन कार्यपालन यंत्री मनोज कुमार दुबे को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था , लेकिन अंततः उन्हें यह कहकर क्लीन चिट दे दी गई कि उन्होंने नियमानुसार कार्यवाही की थी और दोष सिद्ध नहीं हुआ ।

मुख्य सवाल जो जनता पूछ रही है:

सॉफ्टवेयर का बहाना कब तक जारी रहेगा, जांच रिपोर्ट खुद कहती है कि अगर सॉफ्टवेयर नहीं चल रहा था, तो बाद में उसे राजसात किया जा सकता था। उसे रिलीज क्यों किया गया, ठेकेदार पर मेहरबानी क्यों, ठेकेदार ने पैसा वापस आने के बाद उसे जमा नहीं किया। उसे ब्लैकलिस्ट करने की अनुशंसा तो की गई, लेकिन सरकारी नुकसान की भरपाई एक कर्मचारी की जेब से क्यों कराई गई। विभाग ने आदेश दिया है कि कार्यालय की गोपनीयता बनाए रखने के लिए सभी आईडी और पासवर्ड बदले जाए, इसका मतलब है कि पहले पासवर्ड का दुरुपयोग हो रहा था। यह मामला महज एक तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि सरकारी तंत्र के भीतर बैठे उन सफेदपोशों की कार्यप्रणाली का नमूना है, जो नियमों को ठेंगे पर रखते हैं । भले ही ऑपरेटर से पैसे वसूल कर कागजों पर वित्तीय हानि की भरपाई कर ली गई हो, लेकिन विभाग की साख पर जो दाग लगा है, उसका जवाब देना मुश्किल होगा।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन, पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी कि उपस्थिति में कलेक्टर सभागार में जिला सडक सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई । बैठक में एन एच 43 पर रोड मार्किंग करने,एप्रोच रोड, स्पीड ब्रेकर लगाने, शहर के अंदर पार्किंग व्यवस्था कराने, शहर मे लग रही दुकानों को व्यवस्थित करने, राष्ट्रीय राजमार्ग के बसाहट वाले स्थानो मे स्ट्रीट लाईट की व्यवस्था करने, राष्ट्रीय राजमार्ग मे अवारा पशुओ के लिए कांजी हाउस की व्यवस्था करने, दुब्बार मोड की सडक पर साईन बोर्ड लगाने,उमरिया से शहडोल मार्ग के मध्य नौरोजाबाद के मुरना नदी क्षेत्र पर साईन बोर्ड की व्यवस्था करने, मुख्य मार्ग की नालियो को ढकने, शैक्षणिक संस्थाओ मे अध्ययनरत विद्यार्थियो के परिवहन पर चर्चा ,वाहन चलाते समय हेलमेट का उपयोग करने, पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने ब्रेकर की व्यवस्था करने, हवाई पटटी के पास सांकेतिक बोर्ड लगाने , भरौला मोड़ पर ब्रेकर, साईन बोर्ड लगाने, आदि पर चर्चा की गई। इस अवसर पर यातायात प्रभारी सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे ।

कलेक्टर की अध्यक्षता में विभिन्न समितियो की बैठक संपन्न

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति, जिला पोषण समिति, बेटी बचाओ बेटी पढाओ एवं वन स्टाप सेंटर की बैठक कलेक्टर सभागार में संपन्न हुई । बैठक मे कलेक्टर ने पोषण ट्रेकर मे दर्ज समस्त हितग्राहियो का फेस कैप्चर एवं ई केवायसी कार्य सात दिवस के भीतर सुनिश्चित करने के निर्देश समस्त परियोजना अधिकारियो को दिए। उन्होंने पोषण पुर्नवास केंद्रो पर कुपोषित बच्चो को भर्ती कराने के निर्देश दिए । उन्होने सात दिवस के अंदर पोषण ट्रेकर मे दर्ज समस्त हितग्राहियों कि आभा आईडी बनाने के निर्देश दिए । प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और लाड़ली लक्ष्मी योजना मे वार्षिक लक्ष्य के विरूध्द कम उपलब्धि पर संबंधितो के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बेटी बचाओ बेटी पढाओ अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26की स्वीकृत कार्य योजना तथा शासन व्दारा समय सीमा पर जारी निर्देशो के अनुसार गतिविधियों का आयोजन करने के निर्देश दिए गए । बैठक में महिला एवं बाल विकास अधिकारी दिव्या गुप्ता सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

अपर कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी 53 आवेदको की समस्याएं

उमरिया। साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता ने जिले के दूर दराज से आए लोगो की समस्याओं को सुना तथा आवेदनो को संबंधित विभाग की ओर निराकरण के लिए प्रेषित किया। जनसुनवाई में बसंत राम तिवारी ग्राम कुचवाही ने काबिज भूमि मे बोई फसल को जेसीबी व्दारा नष्ट किए जाने पर नुकसानी दिलाने, किशनलाल महरा ने कारीगडहरी ने सी सी रोड व स्टाप डेम मे किए गए कार्य की राशि दिलाने, हीरालाल चौधरी खलेसर ने झुग्गी झोपडी का पट्टा दिलाने, सुशील चंद रैदास पार्षद वार्ड क्रमांक 3 ने श्मशान घाट सिध्दबाबा से एन एच 43 तक विद्युत तार बदलवाने, पार्वती बाई ग्राम ऊफरी ने रहायसी मकान क्षतिग्रस्त होने पर मुआवजा राशि दिलाने, गुड्डू रैदास ग्राम खैरा ने मजदूरी का भुगतान कराने, कासी यादव भरौला ने औराजी मे वन विभाग व्दारा बनाए जा रहे मुनारे पर रोक लगाने, पंकज मिश्रा जेल बिल्डिंग के पीछे रमपुरी ने झुग्गी झोपड़ी का पट्टा दिलाने, चन्नू बैगा ग्राम चिरहुला ने वनाधिकार का पट्टा दिलाने तथा लवकुश चौधरी ग्राम सस्तर ने आधार कार्ड बनवाने संबंधी आवेदन दिया। जनसुनवाई में प्रभारी एसडीएम बांधवगढ़ कमलेश नीरज सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे ।

खुले में मांस बेचने का आदेश बेअसर

छात्राएं एवं राहगीर परेशान, वार्डवासियों का जीना दुश्वार

हरिभूमि न्युज कोतमा। साल बीतने को है लेकिन नगर पालिका क्षेत्र मे मुख्यमंत्री के आदेश का उल्लंघन खुलेआम हो रहा है। नगर पालिका क्षेत्र मे जगह-जगह खुले में मांस और अंडे का विक्रय खुलेआम किया जा रहा है। वार्ड क्रमांक 07 एवं 4 में बस स्टैंड के आगे मांस, मछली और अंडे का विक्रय ठेले में खुले में किया जा रहा है। सार्वजनिक स्थानों मे सुबह से लेकर देर रात तक मांस और अंडे का विक्रय किया जा रहा है, लेकिन हैरानी है कि नगर पालिका के कर्मचारियों की निगाह उक्त दुकानों पर नहीं पड़ती है। मुख्यमंत्री के आदेश का खुला उल्लंघन खुले में मांस बेचकर किया जा रहा है। ठेले में बिकने वाले मांस अंडे के कारण सार्वजनिक स्थानों पर आना-जाना मुश्किल हो गया है, मांस और अंडे की बदबू से रास्ते से निकलना भी मुश्किल पड़ जाता है। सार्वजनिक स्थानों पर खुले आम इस तरह मांस और अंडे के विक्रय पर पूर्णत प्रतिबंध लगाने का सख्त आदेश पारित किया गया था, लेकिन साल बीतने को है नगर पालिका द्वारा पूर्व मे ग्रीन पर्दा लगाकर खुले में मांस बिक्री करने की परमिशन दी गई थी लेकिन वर्तमान मे पर्दा भी नही लगाया जा रहा है जिसके कारण रास्ते से आने जाने के लिए मीट मार्केट मुसीबत का कारण बना हुआ है।

मीट बाजार की गंदगी से जनता हो रही आक्रोशित

वार्ड क्रमांक 7 और वार्ड क्रमांक 03 के मध्य मुख्य मार्ग पर

लगने वाली मीट की दुकानों से आम जनमानस बेहद त्रस्त हो चुका है, आम नागरिकों का आक्रोश आए दिन देखने को मिलता है। रविवार साप्ताहिक बाजार के दिन वार्ड क्रमांक 7 से बाजार की तरफ आने वाले मुख्य मार्ग में सैकड़ो दुकान मीट की लगाई जाती हैं। जिसमें मछली, मुर्गा, बकरी और अन्य पशु को क्रूरता पूर्वक काटकर वीभत्स ढंग से बेचा जाता है। जिसे देखकर छात्राएं एवं राहगीर शर्मसार हो जाते है। जानवरों एवं मीट से निकलने वाली गंदगी को वहीं सड़कों में छोड़ दिया जाता है, जिससे बाजार आने जाने के साथ-साथ मंदिर आने जाने में सड़क पर बिखरी हुई गंदगी से होकर नागरिकों को गुजरना पड़ता है। रविवार को पूरे दिन के साथ ही प्रतिदिन आवागमन में गंदगी के कारण अशुद्धता और असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। नागरिकों में काफी आक्रोश व्याप्त हो गया है। नागरिकों द्वारा नगर पालिका अध्यक्ष और नगर पालिका परिषद से दुकानों को अन्यत्र हटाये जाने की मांग की जा रही है। इस रास्ते से लोग मंदिर आना-जाना भी करते हैं।पहले तो नगर पालिका के द्वारा मीट मार्केट दुकान से सटाकर ग्रीन कलर का पर्दा लगा दिया गया था लेकिन अब वह पर्दा भी बेपर्दा हो गया है। जिसके कारण अब तो खुलेआम मुख्यमंत्री के आदेशों की धज्जियां मीट दुकानदारों के द्वारा उड़ाई जा रही है। सड़क के किनारे ही दुकानों में खुलेआम मुर्गा एवं बकरे की कटाई भी की जाती है। जिसके कारण राहगीर जब वहां से गुजरते हैं तो चेहरे एवं नाक मुंह में कपड़ा ढक कर निकलते हैं दुर्गंध के कारण लोगों का वहां से निकलना दूभर है यहां तक की आसपास रिहायशी क्षेत्र भी है जिसके कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

रेलवे की भूमि

जिस जगह पर मीट दुकान का संचालन किया जा रहा है वह भूमि रेलवे की है लेकिन रेलवे विभाग के द्वारा भी खाना पूर्ति करते हुए हटाने की कार्यवाही की जाती है। विगत दिनों रेलवे विभाग के द्वारा रेलवे पुलिस के सहयोग से मीट दुकानों को हटा दिया गया था लेकिन फिर से मीट दुकानों का संचालन शुरू कर दिया गया है।

नगर में जगह-जगह घंटों बन रही जाम की स्थिति

यातायात व्यवस्था पूरी तरह से हो गई बेपटरी

हरिभूमि न्यूजकोतमा। नगर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह से बेपटरी हो गई है। प्रशासन की उदासीनता के कारण नगर में जगह-जगह घंटो जाम की स्थिति बन जाती है। आलम यह है कि ना तो यातायात और ना ही नगर प्रशासन ध्यान दे रही है। जिसके कारण आम नागरिकों को अव्यवस्था का शिकार होना पड़ रहा है। रविवार को भी सड़क के दोनों तरफ एवं बीच सड़क में वाहन खड़ा होने के कारण घंटों जाम की समस्या निर्मित हो जाती है। नगर के वार्ड क्रमांक 4 मुक्ति धाम के पास थोक सब्जी विक्रेताओं के द्वारा दुकान संचालित की जा रही है। दुकानदारों का हाल यह है कि सुबह 7:00 बजे से ही सड़क के दोनों ओर बड़े वाहन खड़े करवा दिए जाते हैं उसके बाद सड़क पर ही दो पहिया वाहन खड़े हो जाते हैं। जिसके कारण घंटो जाम की स्थिति बन जाती है। यह हाल कोई एक दिन का नहीं है प्रतिदिन का हाल यही है। जबकि थोक सब्जी मंडी के रास्ते से ही होकर नगर पालिका कार्यालय अस्पताल छात्रावास कन्या स्कूल के लिए बच्चे आना-जाना करते हैं। सुबह स्कूल जाने वाली बसों का भी आना-जाना बना रहता है। अस्पताल से मरीज को लाने ले जाने का कार्य भी एंबुलेंस के द्वारा किया जाता है। लेकिन बदहाल यातायात के कारण आम नागरिक परेशान हो रहे हैं। अव्यवस्थित आवागमन होने के कारण स्थित यह निर्मित हो जाती है कि लोगों को पैदल भी चलना मुश्किल हो जाता है। जबकि नगर पालिका प्रशासन के द्वारा नगर के वार्ड क्रमांक 3 में सब्जी मंडी का निर्माण लाखों रुपए खर्च करके किया गया है उसके बावजूद भी थोक सब्जी विक्रेताओं के द्वारा मुक्ती धाम के पास दुकान संचालित की जा रही है। आम नागरिकों ने नगर पालिका प्रशासन एवं यातायात विभाग से नगर के वार्ड क्रमांक 4 मुक्तिधाम के पास अस्पताल जाने वाले मार्ग में बदहाल यातायात व्यवस्था के सुधार कार्य

कराये जाने की मांग की है।

नहीं है यातायात पुलिस

नगर में पूर्व में यातायात पुलिस की पदस्थापना की गई थी लेकिन बर्षा पूर्व से यातायात पुलिस की तैनाती भी नगर से समाप्त कर दी गई। जिसके कारण नगर में यातायात व्यवस्था अव्यवस्थित हो गई।

कप्तान का आदेश भी बेअसर

पुलिस कप्तान मोती उर रहमान के द्वारा जिला यातायात पुलिस को निर्देश दिए गए थे कि सप्ताह में दो दिन कोतमा नगर का यातायात पुलिस भ्रमण करते हुए अव्यवस्थित यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करने की कार्यवाही करेगी। लेकिन पुलिस कप्तान का आदेश भी बेअसर होता दिखाई दे रहा है। जिला यातायात पुलिस को सप्ताह में तो क्या महीने में भी कोतमा नगर का भ्रमण नही करती भूले भटके यदि भ्रमण करती भी है तो कोरम पूर्ति कर वापस चलें जाते हैं। जिसके कारण दिन प्रतिदिन यातायात व्यवस्था नगर की चौपट होती जा रही है।

नसीरूद्दीन चंदू ने कहा...

नगर के समाजसेवी नसीरूद्दीन चंदू का कहना है वार्ड क्रमांक 4 मुखर्जी चौक से अस्पताल जाने वाले रास्ते में थोक सब्जी दुकानदारों के द्वारा प्रतिदिन सुबह से सड़क के दोनों और सब्जी लदे बड़े वाहनों को खड़ा करवाकर खाली करवाया जाता है जबकि यह मुख्य मार्ग है और इसी रास्ते से होकर लोग अस्पताल आना-जाना करते हैं इसी रास्ते से मरीज को भी लाया ले जाता है गंभीर मरीजों को एंबुलेंस के माध्यम से ले जाने का कार्य भी किया जाता है लेकिन स्थिति यह है कि घंटों जाम लग जाता है जिसके कारण कभी भी कोई अप्रिय घटना घटित हो सकती है। यातायात विभाग को व्यवस्थित यातायात के लिए आगे आना चाहिए जिससे अव्यवस्थित यातायात को व्यवस्थित किया जा सके।

देवशरण सिंह का कहना है..

वार्ड क्रमांक 10 के पूर्व पार्षद देवशरण सिंह ने नगर की यातायात व्यवस्था को लेकर प्रश्न चिन्ह खड़ा करते हुए कहां है कि पूर्व में नगर में यातायात पुलिस की पद स्थापना की गई थी लेकिन लंबे अरसे से यहां से यातायात पुलिस की व्यवस्था खत्म कर दी गई जिसके कारण आए दिन नगर के मुख्य मार्ग में जाम की स्थिति निर्मित हो रही है सबसे ज्यादा परेशानी मुखर्जी चौक से अस्पताल जाने वाले रास्ते में होती है जहां मुक्ति धाम के पास थोक सब्जी दुकानदारों के द्वारा सड़क के दोनों और प्रतिदिन सुबह से वाहनों को खड़ा करवाकर सब्जी खाली करवाया जाता है साथ ही दो पहिया वाहन चालकों के द्वारा सड़क पर ही वाहन खड़ा कर दिया जाता है जिसके कारण सुबह स्कूल जाने वाली बसों एवं अस्पताल जाने वाले मरीजों को घंटो जाम का सामना करना पड़ता है कभी-कभी तो स्थित यह हो जाती है कि यदि गंभीर मरीज को लेकर एंबुलेंस निकलती है तो उसे भी जाम का सामना करना पड़ता है। पुलिस अधीक्षक के द्वारा यातायात पुलिस को निर्देश भी दिए गए थे कि सप्ताह में दो दिन कोतमा नगर का भ्रमण करते हुए अव्यवस्थित यातायात को व्यवस्थित करवाते हुए कानूनी कार्यवाही की जाए लेकिन वह भी दिखावा साबित हो रहा है।

सीताराम सिंह के फांसी लगाकर जान दिए जाने के मामले में एक सप्ताह बाद भी नहीं हो सकी कोई कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड 11 गोविंदा गांव निवासी आदिवासी सीताराम सिंह के द्वारा दबंगों की प्रताड़ना एवं मारपीट से आहत होकर फांसी लगाकर जान दिए जाने के मामले में एक सप्ताह बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हो सकी। प्रशासन एवं कालरी प्रबंधन द्वारा भरोसा दिलाया गया था कि खसरा नंबर 79 की जमीन को अतिक्रमण मुक्त करते हुए प्रताड़ना के दोषियों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। अभी तक अतिक्रमण मुक्त ना होने से परिजनों एवं ग्रामीणों में जमकर आक्रोश देखा जा रहा है। मृतक की पत्नी का कहना है कि मौत के बाद भी न्याय के लिए आस लगाई जा रही है। जिसकी कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही। 3 दिसंबर तक दिया गया आश्वासन पूरा नहीं किया गया तो उसके बाद बड़ी संख्या में एकजुट होकर प्रदर्शन किया जाएगा। बताया जाता है कि घटना के 7 दिनों बाद भी कॉलरी एवं राजस्व विभाग एक दूसरे के बीच पत्राचार तक ही सीमित है। वही आरोपी नंबर बंद कर फरार है। जिनकी तलाश में पुलिस की टीम सक्रिय है। मृतक 17 दिसम्बर को घर से

फोटो कापी कराने निकला था जिसका 6 दिन बाद पता चला जिसकी सूचना परिजनो के द्वारा कोतमा थाने मे दी गई थी। सीताराम सिंह का शव मृत अवस्था मे फांसी मे झूलती हालात मे मिली थी परिजन के द्वारा शव को सड़क में रखकर चकाजाम किया तब प्रशासन हरकत में आया और एसईसीएल प्रबंधन ने कार्यवाही का आश्वासन दिया था साथ ही कोतमा थाना प्रभारी के द्वारा भी 2 दिन के अंदर आरोपी को हिरासत मे लेकर कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया था। तहसीलदार नगर पालिका सीयमओ के द्वारा भी न्याय का भरोसा दिलाते हुए आस्वशान दिया गया था कि हम सब मिलकर सीताराम को न्याय दिलाने का भरपूर प्रयास करेंगे। तभी परिजनों ने भरोसा कर सीताराम के शव को लेकर अग्नि संस्कार किया गया लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नही हुई। कोतमा नगर पालिका वार्ड क्रमांक 10 के पूर्व पार्षद देवशरण सिंह ने कहा कि अगर 3 जनवरी तक कोई ठोस कदम प्रशासन वा एसईसीएल के द्वारा नहीं उठाया गया पुनः सीताराम सिंह के परिजन वा गांववासी सड़क पर उतर कर चक्का जाम करेंगे। जिसकी संपूर्ण जवाबदेही एसईसीएल प्रबंधन वा नगर पालिका परिषद कोतमा की होगी ।

खबर संक्षेप

चार दुकानदारों पर स्पॉट फाइन की कार्यवाही

कटनी। नगर निगम कटनी द्वारा स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से लगातार निगरानी एवं कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में रविवार रात नगर के उपनगरीय क्षेत्र माधवनगर के निरीक्षण के दौरान सफाई नियमों का पालन नहीं करने वाले 4 दुकानदारों पर 1100 रुपये के स्पॉट फाइन की कार्यवाही की गई। स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी ने बताया कि निरीक्षण के समय संबंधित दुकानदारों द्वारा दुकान के सामने कचरा फैलाना, निर्धारित स्थान पर कचरा नहीं डालना एवं स्वच्छता मानकों की अनदेखी करना पाया गया। स्वास्थ्य अमले द्वारा मौके पर ही चालानी कार्यवाही करते हुए जुर्माना वसूला गया तथा भविष्य में नियमों का पालन करने की सख्त हिदायत दी गई। उक्त कार्यवाही के दौरान स्वच्छता निरीक्षक दीपक अग्निहोत्री, वार्ड दरोगा राकेश निगम सहित दीपक जानोकर, सुशील मलिक, विनय अर्खेल एवं सुरेन्द्र नाहर की उपस्थित रहे। नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने हेतु इस प्रकार की कार्यवाही आगे भी निरंतर जारी रहेगी। साथ ही व्यापारियों एवं नागरिकों से अपील की गई है कि वे सफाई नियमों का पालन करें और स्वच्छ कटनी के निर्माण में सहयोग प्रदान करें।

सांसद ने विद्यालय के नये भवन का किया शिलान्यास

कटनी। सांसद विष्णुदत्त शर्मा अपने कटनी प्रवास के दौरान विविध कार्यक्रमों में सहभागी हुए। कटनी जिले की सीमा पर भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। सांसद श्री शर्मा सर्वप्रथम विगत 50 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय सरस्वती विष्णुवेद विद्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने विद्यालय के नवीन भवन का शिलान्यास किया। इसके उपरांत आयोजित स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल होकर विद्यार्थियों को आशीर्वचन दिए। उन्होंने विद्यालय के सफल संचालन के लिए समिति को साधुवाद देते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर दिया। श्री शर्मा ने कहा कि अध्ययन के साथ-साथ नैतिक शिक्षा, खेलकूद, व्यवसायजनक शिक्षा तथा वेद पाठ्यक्रम जैसे विषयों को भी शिक्षा प्रणाली का अभिन्न हिस्सा बनाया जाना चाहिए। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक टण्डन ने कहा कि विष्णुवेद विद्यालय जिले का जाना-पहचाना नाम है, जिसे हम सभी बचपन से देखते आ रहे हैं।

छात्रवृत्ति हेतु वन टाइन रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य

कटनी। कक्षा 9वीं से महाविद्यालय स्तर तक अध्ययनरत अनुसूचित जाति एवं जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों को जिन्हें केन्द्र प्रवर्तित प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (वार्षिक पारिवारिक आय-सीमा 2.50 लाख रूपये में कम) का लाभ प्राप्त होता है, उन्हें वर्ष 2025-26 में छात्रवृत्ति योजना का लाभ प्राप्त करने के लिये नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (एनएसपी) पर वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) कराया जाना अनिवार्य है। विद्यार्थियों द्वारा एक बार ओटीआर नंबर प्राप्त कर लिये जाने के पश्चात भविष्य में भी अगामी कक्षाओं में इसी नंबर के आधार छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ प्राप्त किया जा सकेगा। जिनके लिये पथक में पुनः ओटीआर की आवश्यकता नहीं होगी। कलेक्टर आशीष तिवारी ने जिला शिक्षा अधिकारी एवं समस्त शासकीय महाविद्यालय के प्राचार्यों को अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों के वन टाइम रजिस्ट्रेशन करने के निर्देश दिये हैं। जिससे समय-सीमा में अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति योजनाओं में लाभान्वित किया जा सके।

पेंशन शिविर प्रारंभ

कटनी। जिले में समस्त सेवानिवृत्त शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण हेतु कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर जिला पेंशन कार्यालय कटनी में सोमवार को तीन दिवसीय पेंशन शिविर का आयोजन शुरू हो चुका है। इस शिविर का आयोजन 31 दिसंबर तक किया जायेगा। जिला पेंशन अधिकारी नीतू गुप्ता ने बताया कि इस शिविर में लंबित पेंशन प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण किया जाना है।

2025 की विदाई, 2026 की दस्तक : नगर पालिका की योजनाएं और कालरी की रफ्तार

धनपुरी के विकास की दो धुरी, मगर बीच में फंसा नगर का व्यापार

धनपुरी। काला हीरा की धरती धनपुरी में साल बदलना सिर्फ तारीख का खेल नहीं है, बल्कि यह मौका होता है हिसाब-किताब, उम्मीद और हकीकत का। 31 दिसंबर की आधी रात 2025 को विदा हो रही, 2026 ने दस्तक दे रही, लेकिन सवाल वही—क्या धनपुरी का विकास सच में जमीन पर दिखेगा, या फिर फाइलों में ही दौड़ता रहेगा?

नगर की गलियों में जश्न है, मोबाइल पर बधाइयों की बाढ़ है, मंदिरों में घंटियां गूंज रही हैं, लेकिन चौक-चौराहों और चाय की दुकानों पर चर्चा सिर्फ एक नगरपालिका और कालरी, दोनों से शहर को क्या मिला और क्या मिलना बाकी है?

नगरपालिका : योजनाओं ने दिखाई ताकत, भरोसा लौटा

साल 2025 में नगरपालिका ने लंबे समय बाद यह अहसास कराया कि योजनाएं सिर्फ घोषणा तक सीमित नहीं हैं।

वार्ड क्रमांक 2 में करोड़ों की लागत से स्विमिंग पुल और वॉटर पार्क का काम तेज हुआ। वर्षों से कागजों में घूम रही योजना अब आकार लेती दिखी। नगरवासियों को उम्मीद है कि 2026 में यह प्रोजेक्ट युवाओं और बच्चों के लिए नई पहचान बनेगा।

इसी तरह शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण भी रफ्तार में रहा। छोटे दुकानदारों और नए व्यापारियों को इससे व्यवस्थित बाजार और स्थायी रोजगार की उम्मीद बंधी है।

बस स्टैंड से ट्रैफिक पर लगाम की कोशिश

धनपुरी नंबर-4 में बस स्टैंड निर्माण की शुरुआत को शहर की सबसे जरूरी जरूरत माना जा रहा है।

अब तक सड़क किनारे खड़ी बसें, जाम और हादसों का डर आम बात थी। नगर पालिका का दावा है कि बस स्टैंड शुरू होते ही यातायात व्यवस्था सुधरेगी और शहर को एक व्यवस्थित पहचान मिलेगी।

लेकिन बुनियादी सवाल जस के तस

उपलब्धियों के बीच आजाद चौक में सुन्दरता, पेयजल, स्वास्थ्य और सफाई जैसे मुद्दे अब भी नगर के माथे पर शिकन बने हुए हैं।

2016 से लंबित शुद्ध पेयजल योजना 2025 में भी पूरी नहीं हो सकी। कई वार्डों में लोग आज भी 3 सौ 4 सौ टीडीएस वाला पानी पीने को मजबूर हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं की हालत भी चिंताजनक है। बुढार केंद्रीय चिकित्सालय और स्थानीय स्वास्थ्य केंद्रों में लेडी डॉक्टर और विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी बनी रही। सफाई व्यवस्था, नालियां और स्ट्रीट लाइट—ये मुद्दे परिषद बैठकों में सालों से गूंजते रहे, समाधान अधूरे रहे।

कालरी : जिसने संभाली अर्थव्यवस्था

धनपुरी की आर्थिक सांसें थामे रखीं, तो वह कालरी रही।

एसईसीएल सोहागपुर एरिया के अंतर्गत रामपुर–बटुरा ओपन कास्ट खदान की प्रक्रिया तेज हुई। किसानों को विस्थापन मुआवजा भुगतान में गति आई। महाप्रबंधक वी.के. जेना की सक्रियता से कई अटके मामले आगे बढ़े।

शारदा ओसीएम, अमलाई ओसीएम में नए टेंडर, प्राइवेट कंपनियों की एंट्री और दामिनी व राजेंद्रा भूमिगत माइंस में सीएम मशीन की तैयारी—इन सबने उत्पादन बढ़ने के संकेत दिए। नतीजा—बाजार में रौनक, ट्रांसपोर्ट और छोटे कारोबार में हरकत।

करोड़ों का राजस्व, फिर भी बाजार परेशान

कालरी से नगरपालिका को कोयला रॉयल्टी, हाउस टैक्स, ठेका कर और अन्य मदों से हर साल करोड़ों रुपये की आय हो रही है। नगर का खजाना भरेगा, लेकिन सवाल यह है कि इस आय का असर आम व्यापार तक क्यों नहीं पहुंच पा रहा?

व्यापारियों का कहना है कि धनपुरी का बाजार हमेशा से कालरी कर्मचारियों की क्रयशक्ति पर निर्भर रहा है।

अब खदानें सीमित हो रही हैं, स्थायी कर्मचारियों की संख्या घट रही है और ठेका मजदूरी बढ़ रही है। नतीजा—खरीद घट रही है, बाजार की रफ्तार थम रही है।

मॉडल रोड : व्यापार की आखिरी उम्मीद

नगर के मध्य प्रस्तावित मॉडल रोड को व्यापारी वर्ग जीवन रेखा मान रहा है। अगर चौड़ी सड़क, व्यवस्थित पार्किंग, बेहतर रोशनी और सौंदर्यीकरण हुआ, तो धनपुरी का बाजार फिर से सांस ले सकता है। इससे आसपास के ग्रामीण इलाकों

और कस्बों से भी ग्राहक आकर्षित होंगे और व्यापार को नई ऊर्जा मिलेगी।

कालरी की चमक, पर मजदूरों की चिंता

कोयला उत्पादन बढ़ा, लेकिन ठेका मजदूरों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और स्थायित्व जैसे सवाल 2025 में भी पूरी तरह हल नहीं हो सके। मुनाफा बढ़ा, पर श्रमिकों की चिंता जस की तस रही।

2026 से बड़ी उम्मीदें

नगरपालिका का दावा है कि स्विमिंग पूल, वॉटर पार्क, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और बस स्टैंड जैसे प्रोजेक्ट 2026 में जनता को समर्पित होंगे। जहां से नगरपालिका का राजस्व में इजाफा होगा। वहीं रामपुर–बटुरा खदान से अगले करीब 40 साल तक कोयला उत्पादन से धनपुरी और सोहागपुर क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को ताकत मिलने की उम्मीद है।

निष्कर्ष : अब वक्त देगा जवाब

धनपुरी आज दो धुरी पर खड़ा है—

एक ओर नगरपालिका की योजनाएं, दूसरी ओर कालरी की आर्थिक ताकत।

2025 ने काम का ट्रेलर दिखाया है, 2026 से पूरी फिल्म की उम्मीद है।

अगर योजनाएं जमीन पर उतरीं और कालरी के साथ व्यापार को भी जोड़ा गया, तो धनपुरी उड़ान भरेगा।

अनधिकृत कॉलोनियों में अधोसंरचना विकास के लिए शुल्क जमा करने लगाया शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नगर की अनधिकृत कालोनियों में अधोसंरचना विकास सुनिश्चित करने की दिशा में निगम प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी एवं निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार के निर्देशों के परिपालन में नगर की अनधिकृत कालोनियों के रहवासियों से वार्ड में ही विकास शुल्क की राशि जमा कराने की सुविधा प्रदान कर संबंधित क्षेत्रों में विकास कार्य कराए जाने हेतु सोमवार को नगर के 3 वार्डों में विशेष शिविरों का आयोजन किया गया।

नोडल अधिकारी एवं प्रभारी कार्यपालन यंत्री अंशुमान सिंह ने बताया कि नगर निगम द्वारा वार्ड क्रमांक 3 लाल बहादुर शास्त्री वार्ड में पहरूआ स्कूल के पास तथा तरह इंदिरा गांधी वार्ड क्रमांक 4 के शिवाजी नगर, बालाजी नगर सहित राममनोहर लोहिया वार्ड क्रमांक 5 के अहमद नगर में आयोजित इन शिविरों में वार्ड अनधिकृत कालोनियों के नागरिकों ने उपस्थित होकर 76 हजार 416 रुपये की विकास शुल्क की राशि जमा की।

आज होगी वाहनों की जांच पड़ताल

शराब पीकर वाहन चलाये तो खैर नहीं: टीआई

बुढार। त्यौहारों के मद्देनजर आज नव वर्ष के आगमन एवं वाहन दुर्धटनाओ को रोकने के उद्देश्य पुलिस ने 31 दिसंबर को नगर के प्रमुख चौराहों पर पुलिस तैनात रहेगी और शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों पर चालानी कार्रवाई की जायेगी।

थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार ने जानकारी देते हुए बताया कि सड़क सुरक्षा अभियान के तहत 31 दिसंबर से निरंतर वाहनों की जांच की जायेगी साथ ही नव वर्ष एवं 31 दिसंबर को शराब पीकर वाहन न चलाएं जीवन आपका अनमोल है घर पर कोई आपका इंतजार कर रहा है।

इन स्थानों पर पुलिस रहेगी तैनात

थाना प्रभारी ने बताया कि नगर के अमलाई चौक, जैतपुर चौराहे, कालेज तिराहे पर पुलिस चौकस रहेगी और वाहनों की जांच पड़ताल करेगी।

टेवाईट महाविद्यालय में फूड फेस्टिवल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

टेवाईट महाविधालय में नया वर्ष 2026 का स्वागत विशिष्ट अंदाज में किया गया जिसमें छात्र एवं छात्राओं द्वारा स्वनिर्मित अपने हाथों से बनाये हुए विभिन्न व्यंजन जैसे मीठा, कस्टर्ड, रबडी, इडली, केसर बादाम दूध आदि से एक-दूसरे छात्र-छात्राओं को खिलाकर समारोह मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीमति ऊषा पाडे.पूर्व प्राचार्य, डॉ. संध्या खरे, प्राचार्य नालंदा, कालेज, एवं एस0के0 खम्परिया अध्यक्ष शतरंज संघ की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। डॉ. खम्परिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि अपने हाथो से बनाये खाद् पदार्थ में बनाने वालो की भावनाओं से मिठास आती है। इसलिये मॉ के हाथ का बना भोजन सर्वाधिक स्वादिस्ट होता है।

डॉ संध्या खरे ने छात्रो के अनुशासन एवं अपने कार्य के प्रति समर्पण की प्रशांसा की। और कहा कि छात्र-छात्राओं में नयी विधाओं को सीखने में मेहनत की है वह प्रशंसनीय है।

टेवाईट महाविधालय, प्राचार्य डॉ. जैनेन्द्र द्विवेदी ने उद्बोधन में कहा महाविधालय प्रोफेसर एवं सभी सदस्य विभागाध्याक्ष डॉ. पूनम मिश्रा, कार्यक्रम प्राभारी नीतू चैबे,अजय दुबे, रश्मि वर्मा,शिशांक जैन, शिवम परौहा, हरिप्रिया वर्मा, गरिमा खटीख, विकास तिवारी आदि की सक्रियता की प्रशंसा की।

महाविधालय द्वारा समस्त अतिथियो का स्वागत छात्रों द्वारा स्व.निर्मित पेंटिंग एवं आचार्य प्रमाण सागर जी द्वारा लिखित ''भावना योग, नकारात्मकता का हल'' पुस्तक भेंट कर स्वागत किया।

कार्यक्रम में डॉ. सुरेन्द्र राजपूत, डॉ. ज्योति राजपूत, राकेश तिवारी विपिन गर्ग, वीरशाह राजपाल की उपस्थिति रही।

शिक्षा के साथ ही स्व रोजगार से जोड़ने के लिए दिया प्रशिक्षण

महाविद्यालय बहोरीबंद में विद्यार्थियों को दिया गया जैविक खेती का प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

शिक्षा के साथ स्वरोजगार के माध्यम से स्वाबलंबी बनाने हेतु वीरांगना रानी दुर्गावती शासकीय महाविद्यालय बहोरीबंद में विद्यार्थियों को जैविक खेती का प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण जैविक कृषि विशेषज्ञ रामसुख दुबे द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण में स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को जैविक खेती के अंतर्गत नवीन शिक्षा पद्धति के तहत सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक विषयों तथा परीक्षा प्रणाली की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में बताया गया कि जैविक खेती एक ऐसी प्रणाली है, जिसमें रासायनिक खाद, कीटनाशक एवं हार्मोंस के प्रयोग को नकारते हुए ग्राम में उपलब्ध संसाधनों से जैविक खाद, कीटनाशक एवं फसल चक्र, फसल अवशिष्ट अन्य जैविक आदान तथा जीवाणु खादों के प्रयोग से फसल उत्पादन किया जाता है।

प्रशिक्षण में जैविक खेती की आवश्यकता, रासायनिक खाद, कीटनाशकों के फसलों में असंतुलित उपयोग से भूमि, मानव स्वास्थ्य एवं पर्यावरण को हो रहे नुकसान के विषय में बतलाया गया। साथ ही परंपरागत खेती, जैविक खेती एवं रासायनिक खेती में अंतर, कम लागत तकनीकी से अधिक उत्पादन बढ़ाने, भूमि की उपजाऊ क्षमता में वृद्धि, जीरो बजट फार्मिंग और प्राकृतिक खेती एवं जैविक खेती के फायदे की तकनीकी जानकारी दी गई।

प्रशिक्षक श्री दुबे ने बताया कि जैविक खेती में भूमि की उर्वरक शक्ति में टिकाऊपन होता है। जैविक खेती प्रदूषण रहित होती है तथा इसमें कम पानी की आवश्यकता एवं पशुओं का अधिक महत्व होता है। साथ ही फसल अवशेषों को खपाने की समस्या भी नहीं होती। जैविक खेती से अच्छी गुणवत्ता की पैदावार होती है।

प्रशिक्षण में जैविक कृषि उत्पादों के उपयोग से स्वास्थ्य में सुधार एवं राष्ट्र एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मांग की जानकारी दी गई। जैविक खेती के घटक के अंतर्गत जैविक खाद, जैविक कीटनाशक दवा, फसल चक्र एवं मिश्रित खेती तथा जैव उर्वरक एवं जैविक खेती की आवश्यकता के अंतर्गत मिट्टी की उर्वरता और संरचना का संरक्षण, जल और वायु प्रदूषण से बचाव, किसान की लागत कम करना, उपभोक्ताओं को शुद्ध सुरक्षित और पोषक अन्न उपलब्ध कराना है।

निगमायुक्त ने योजनाओं की समीक्षा कर अधिकारियों को दिए निर्देश

शिकायतों के निराकरण में गंभीरता से कार्यवाही करें

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नगर की वायु गुणवत्ता सुधार की दिशा में निर्माणाधीन स्थलों वाले मार्गो में रोजाना पानी छिड़काव के कार्य के साथ ही नगर विभिन्न शासकीय विभागों के माध्यम से संचालित बड़े एवं छोटे निर्माण कार्यों के दौरान ढककर अथवा नेट लगाने की आवश्यक कार्यवाही करनें हेतु पत्राचार करना सुनिश्चित हो।

उक्त आशय के निर्देश सोमवार को आयोजित समय -सीमा की बैठक में निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने अधिकारियों को दिए। निगमायुक्त ने सीवरेज के कार्यों के दौरान प्रोफाईल शीट का उपयोग करने, मुख्य मार्गो के डिवाइडर की मिट्टी को व्यवस्थित कर रोजाना डिवाइडर की सफाई करानें के साथ-साथ स्प्रिंकलर के माध्यम से पौधों से की सिंचाई करानें और रोड स्वीपिंग मशीन से मुख्य मार्गो की रोजाना सफाई करानें के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए। इस दौरान उन्होंने विभागीय कार्यों एवं शासकीय योजनाओं की भी विस्तार से समीक्षा की।

सी.एम.हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान निगमायुक्त सुश्री परिहार ने निगम के प्रत्येक विभाग के अधिकारियों को रोजाना अपने विभाग से संबंधित दो शिकायतों पर सर्वोच्च प्राथमिकता से कार्यवाही करते हुए उनका निराकरण कर कृत कार्यवाही से अवगत कराने के निर्देश दिए।

नगर की अनाधिकृत कालोनियों में निवासरत लोगों को वार्ड में ही विकास शुल्क की राशि जमा कराने की सुविधा प्रदान कर मूलभूत अधोसंरचना एवं विकास कार्य उपलब्ध कराने हेतु वार्डों में सोमवार से आयोजित हो रहे विकास शुल्क शिविरों की जानकारी ली जाकर निर्देशित किया कि इन शिविरों के सार्थक परिणाम तभी प्राप्त होंगे जब अधिक से अधिक स्थानीय नागरिकों को शिविर की जानकारी मिले। आपने शिविरों एवं विकास शुल्क के संबंध में नागरिकों को अवगत कराते हुए विकास शुल्क राशि जमा करने हेतु प्रेरित करने तथा प्रतिदिन का टारगेट निर्धारित कर शिविर की जानकारी से रोजाना अवगत कराने के निर्देश प्रभारी कार्यपालन यंत्री अंशुमान सिंह को दिए।

निगमायुक्त ने विभागीय प्रकरणों की समीक्षा के दौरान ई- ऑफिस के सुचारू संचालन हेतु शेष कर्मचारियों के आई.डी को शीघ्रता से पूर्ण करानें के निर्देश दिए। वहीं सीवर कार्य की समीक्षा के दौरान जिन स्थलों पर कार्य पूर्ण हो गया है वहां रेस्टोरेशन का कार्य प्रारंभ करने, अवैध कॉलोनियों, फायर एन.ओ.सी एवं अनाधिकृत रूप से संचालित मैरिज गार्डन पर नियमानुसार कार्यवाही जारी रखने, स्वनिधि योजना के प्रकरणों में गति लाने, डोर-टू-डोर संपर्क कर शेष ई-केवाईसी का पूर्ण करानें, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 23 जनवरी को आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह की तिथि का प्रचार-प्रसार करने, विधि विभाग के अतिक्रमण से संबंधित प्रकरणों पर नोटिस आदि की कार्यवाही करने, नगर में अनाधिकृत रूप से लगे ग्लोसाइन बोर्ड, बैनर, पोस्टर पर नियमानुसार कार्यवाही करने, संपदा शाखा के कार्यों को सुचारू संपादन हेतु फुल टाइम कर्मचारी नियुक्त करने, सीडिंग सेंटर हेतु स्थलों का शीघ्रता से चयन करने, अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों पर कार्यवाही निर्देश अधिकारियों को दिए।

जिले में अब तक 303 क्विंटल से अधिक कोदो की हुई खरीदी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना अंतर्गत समर्थन मूल्य पर कटनी जिले के इतिहास में किसानों से पहली बार हो रहे कोदो-कुटकी के उपार्जन में जिले में अब तक 37 किसानों से 303.77 क्विंटल कोदो का उपार्जन किया जा चुका है। जबकि कोदो उपार्जन के विरूद्ध किसानों को 7 लाख 59 हजार 425 रूपये का भुगतान किया जाएगा। उपार्जित कोदो का शत-प्रतिशत परिवहन किया जा चुका है। कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर जिले में किसानों की सुविधा के लिए कोदो कुटकी का उपार्जन म.प्र. राज्य वेयर हाउस, मझगंवा, बड़वारा के उपार्जन केन्द्र पर किया जा रहा है। इस उपार्जन केंद्र का संचालन संगम बी.डी. कृषक उत्पादक संगठन द्वारा किया जाएगा। जिले के 309 किसानों ने ई-उपार्जन पोर्टल पर अपनी फसल बेचने के लिए पंजीयन कराया है।

1 हजार रुपए प्रति क्विंटल मिलेगी प्रोत्साहन राशि

श्रीअन्न उत्पादक जिले के कृषकों से श्रीअन्न कंसोर्टियम ऑफ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (श्रीअन्न फेडरेशन) द्वारा कोदो-कुटकी का उपार्जन किया जा रहा है। खरीफ-2025 में उत्पादित श्रीअन्न कुटकी 3500 रूपये प्रति क्विंटल एवं कोदो 2500 रुपये प्रति क्विंटल के मान से उपार्जन किया जा रहा है।

खबर संक्षेप

31वां अष्टोत्तरशत 108 श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव

अमरकंटक। धार्मिक एवं तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक के कल्याण सेवा आश्रम में चल रहे 31वां अष्टोत्तरशत 108 श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव 25 के पंचम दिवस कल्याण सेवा आश्रम के प्रमुख संत परम तपस्वी वीतराग बाबा कल्याण दास जी महाराज ने हावड़ा कोलकाता से भक्त श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि पतित पावनी पुण्य मां नर्मदा में इतनी शक्ति है कि वह सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाली परामंबा जगत जननी मां नर्मदा मोक्षदाययनी है मां नर्मदा नदी का ही परिक्रमा की जाती है वर्ष भर भक्त श्रद्धालु नर्मदा तट पर रहकर जलपान कर नर्मदा नाम संकीर्तन करते हुए परिक्रमा करते रहते हैं इस दौरान एक बार मां नर्मदा उन्हें दर्शन देती हैं पतित पावनी मां गंगा में जो स्नान का महत्व है वही महत्व मां नर्मदा जी के दर्शन मात्र से प्राप्त हो जाता है आप सभी बड़े सौभाग्यशाली हैं कि मां नर्मदा जी के तट पर श्रीमद् भागवत कथा का रस पान कर रहे हैं आप सभी के मनोकामनाओं को पूर्ण करें आप सभी उत्तरोत्तर प्रगति करें दिन दूना रात चौगुन बरकत हो सभी बाधाएं ईश्वर मां नर्मदा जी दूर करें आपके जीवन में सुख शांति हो मां नर्मदा जी के चरणों में ईश्वर के चरणों में आपका ध्यान बना रहे यही कामना मैं करता हूं कथा व्यास पंडित श्री राधे श्याम जी शास्त्री वृंदावन वाले महाराज आपको श्री राधा कृष्ण की लीलाओं का रसपान करा ही रहे हैं। सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव के पंचम दिवस कथा व्यास से पंडित श्री राधेश्याम शास्त्री जी महाराज ने आज भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का बड़ा ही संजीव मनोहरी चित्रण करते हुए भक्त श्रद्धालुओं एवं रसिकों को भक्ति रस में भिगो दिया सभी ने भाव विभोर होकर नृत्य करते रहे तथा गोवर्धन पूजा का बड़ा ही सुंदर आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर किया। विशाल सभा हॉल आध्यात्मिक एवं धार्मिक वातावरण से हिलोर मारता रहा।

अमरकंटक में मां नर्मदा की परिक्रमा कर रहे विधायक कालू सिंह ठाकुर, माता, भाइयों व गुरु के साथ किया दर्शन

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। धार जिले की धरमपुरी विधानसभा से विधायक कालू सिंह ठाकुर इन दिनों मां नर्मदा की पावन परिक्रमा पर हैं। वे अपनी माता एवं दो भाइयों के साथ गुरु के सान्निध्य में नर्मदा परिक्रमा कर रहे हैं। अमरकंटक पहुंचने पर उन्होंने मां नर्मदा के दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। विधायक ठाकुर ने इस अवसर पर कहा कि मां नर्मदा की परिक्रमा करने का सौभाग्य मिलना उनके जीवन का सबसे बड़ा पुण्य है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि अपनी जन्मदायिनी माता को तीर्थ कराने का अवसर मिलना बड़े सौभाग्य की बात है। इससे पूर्व वे अपनी माता को चारों धाम की तीर्थयात्रा भी करा चुके हैं। उन्होंने कहा कि संसार में सबसे बड़ा पुण्य माता-पिता को तीर्थ कराने में है, हालांकि उनके लिए माता-पिता की सेवा ही सर्वोच्च तीर्थ है।
इधर, धरमपुरी के रामधाम आश्रम से आए महामंडलेश्वर मिथिल बिहारी दास महाराज ने मां नर्मदा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कलयुग में मां नर्मदा का अद्भुत प्रताप है। मां नर्मदा ध्यान, तप और मोक्ष प्रदान करने वाली हैं। जिस प्रकार गंगा, यमुना और सरस्वती में स्नान से मोक्ष की प्राप्ति होती है, उसी प्रकार मां नर्मदा के दर्शन मात्र से ही मोक्ष प्राप्त होता है।
महामंडलेश्वर ने बताया कि भारतवर्ष में केवल दो नदियों की परिक्रमा की परंपरा है, जिनमें एक गोदावरी और दूसरी मां नर्मदा हैं। उन्होंने कहा कि नर्मदा परिक्रमा का उद्देश्य केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति को मजबूत करना और समाज में सद्भाव, समरसता व भाईचारे की भावना को बनाए रखना भी है। मां नर्मदा की परिक्रमा के दौरान श्रद्धालुओं में गहरी आस्था और श्रद्धा का वातावरण बना रहा। विधायक कालू सिंह ठाकुर की परिक्रमा से श्रद्धालुओं में उत्साह देखा गया ।

फ्लाई ओवर ब्रिज के कार्य ने पकड़ी गति, सेतु निगम का कार्य हुआ प्रारंभ

गर्डर लॉन्चिंग कार्य अंतिम पायदान पर

कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों का नहीं हो रहा पालन...?

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर यार्ड में बीके-61 फाटक में निर्मित हो रहे फ्लाई ओवर ब्रिज के कार्य ने तेजी पकड़ ली है। उम्मीद है वर्ष 2026 में लगभग 9 वर्षों बाद आम जनता को समर्पित हो जाएगा। दो बड़ी-बड़ी क्रेन के माध्यम से गर्डर लॉन्चिंग कार्य अंतिम पायदान पर है। वही सेतु निगम का कार्य भी धीरे-धीरे एक दिशा में प्रारंभ हो चुका है। जिससे जनमानस को विश्वास हो गया है कि वर्ष 2026 में लंबे इंतजार के बाद यह फ्लाईओवर ब्रिज जनता को समर्पित हो जाएगा। शहर की बहुप्रतीक्षित रेलवे फ्लाईओवर ब्रिज की परियोजना ने अब स्पष्ट रूप से गति पकड़ ली है। लंबे समय से केवल मुख्य ढांचे तक सीमित रहे निर्माण कार्य के बाद अब फ्लाईओवर के बाहरी हिस्सों में भी काम शुरू कर दिया गया है। आवश्यकता है जिला प्रशासन इस पर अपनी कड़ी नजर रखें। इससे न सिर्फ परियोजना के समय पर पूर्ण होने की उम्मीद बढ़ी है, बल्कि आम जनता को भविष्य में बेहतर यातायात सुविधा मिलने का भरोसा भी जगा है। रेलवे फ्लाईओवर ब्रिज का निर्माण शहर के उस हिस्से में किया जा रहा है, जहां रेलवे फाटक के कारण आए दिन लंबा जाम लगना आम बात रही है। जहां पर आम पब्लिक के साथ मंत्री एवं मरीज भी जाम में फंस जाते थे। सुबह-शाम कार्यालय समय, स्कूल खुलने और बंद होने के दौरान तथा आपात स्थितियों में यह जाम लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बनता था। एम्बुलेंस फायर ब्रिगेड और अन्य आवश्यक सेवाओं को भी कई बार रेलवे फाटक बंद होने के कारण दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। इन्हीं समस्याओं को देखते हुए फ्लाई ओवर निर्माण की योजना बनाई गई थी। रेलवे फलाईओवर (बीके-61 फाटक) जिला मुख्यालय में बनने के लिए वर्ष 2016 में लगभग 9 वर्षों पूर्व इसकी घोषणा हुई थी। जिसके बाद कार्य को प्रस्तावित होने में समय तो लगा ही साथ ही निर्माण शुरू करने में शिलान्यास किया गया तो वहीं भारतीय जनता पार्टी के विधायक रामलाल रौतेल को अपने ही पार्टी के खिलाफ अनशन तक करना पड़ा है। इस 9 वर्षों का सफर नगर के लोगों के लिए कठिनाई भरा रहा है। कई बार फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण का शिलान्यास अलग-अलग लोगों ने किया। अब तक निर्माण एजेंसी द्वारा फ्लाईओवर के पिलर, गर्डर और मुख्य संरचना से जुड़े कार्य तेजी से किए जा रहे थे।
हाल ही में बाहरी हिस्सों में भी काम शुरू कर दिया गया है, जिसमें सर्विस रोड, साइड स्लोप, रिटेनिंग वॉल, ड्रेनेज सिस्टम और संपर्क मार्गों का निर्माण शामिल है। रेलवे फ्लाईओवर ब्रिज के

बाहरी हिस्सों में कार्य शुरू होने से परियोजना अब अंतिम चरण की ओर बढ़ रही है। यदि परिस्थितियां अनुकूल रहीं तो जल्द ही निर्माण पूरा कर लिया जाएगा। रेलवे फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण के बाहरी हिस्सों में कार्य शुरू होना शहर के लिए एक सकारात्मक संकेत है। अब लोगों की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि निर्माण कार्य कितनी तेजी और गुणवत्ता के साथ पूरा होता है। अभी हाल ही में बिलासपुर रेल मंडल प्रबंधक राकेश रंजन ने फ्लाईओवर ब्रिज का स्थल पर पहुंचकर निरीक्षण भी किया एवं गर्डर लॉन्चिंग कार्य से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिसके बाद कार्य और तेजी से प्रारंभ हो गया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के अनूपपुर यार्ड में स्थित समपार संख्या बीके-61 पर निर्माणाधीन रोड ओवर ब्रिज के कार्य में एक महत्वपूर्ण चरण सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया है। इस क्रम में 54 मीटर लंबी आधुनिक बो-स्ट्रिंग गर्डर की लांचिंग से पूर्व 02 रोलिंग बीम का स्थापना कार्य पूर्ण किया गया। यह रोड ओवर ब्रिज बहु-रेल लाइनों के ऊपर से सड़क यातायात को सुरक्षित रूप से ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। रेल परिचालन पर न्यूनतम प्रभाव सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बो-स्ट्रिंग गर्डर की स्थापना अंडर-लांचिंग विधि से की जा रही है, जिससे रेल यातायात को लंबे समय तक बाधित किए बिना निर्माण कार्य संभव हो सके। रोलिंग बीम की स्थापना के उपरांत, उच्च क्षमता वाली विंच मशीन की सहायता से बो-स्ट्रिंग गर्डर को नियंत्रित एवं चरणबद्ध तरीके से अपने निर्धारित स्थान पर स्थापित किया जा रहा है। यह विशेष तकनीक सक्रिय रेल पटरियों के ऊपर कार्य करते समय संरचनात्मक सुरक्षा, स्थिरता एवं सटीकता सुनिश्चित करती है। क्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश एवं मंडल रेल प्रबंधक राकेश रंजन के मार्गदर्शन में यह संपूर्ण कार्य रेलवे के अनुभवी अभियंताओं की कड़ी निगरानी में, निर्धारित सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन करते हुए तथा सुव्यवस्थित ट्रैफिक ब्लॉकों के माध्यम से किया जा रहा है। उन्नत निर्माण तकनीकों के उपयोग से रेलवे द्वारा बीके-61 रोड ओवर ब्रिज परियोजना को सुरक्षित, सुचारु एवं समयबद्ध रूप से पूर्ण करने की प्रतिबद्धता को बल मिलेगा। यह परियोजना पूर्ण होने के उपरांत क्षेत्रीय सड़क यातायात को सुगम बनाने के साथ-साथ रेल एवं सड़क दोनों की संरक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि करेगी।

कार्य स्थल पर सुरक्षा मानकों का नहीं हो रहा पालन...?

देखा जा रहा है कि कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों का पालन नहीं हो रहा जिससे कभी भी कोई भयावह दुर्घटना घटित हो सकती है। शार्ट कट वाले सिद्ध बाबा आरपीएफ बैरक के पास वाले पुराने ब्रिज को हटा देने से फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण कार्य वाले रास्ते का उपयोग कर रहे हैं। जहां पर सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं की गई है, एवं कार्य चल रहा है। इस मार्ग से आम जनता के साथ स्कूल एवं कॉलेज के छात्र-छात्राओं का आवागमन भी हो रहा है और इस वक्त तेजी से जो कार्य चल रहा है वहां सुरक्षा मानको का ध्यान रखना अति आवश्यक है। अच्छा हो कार्य स्थल से कुछ दूरी को पूरी तरह से ब्लॉक कर दिया जाए। जिससे कोई भी इस मार्ग का उपयोग न कर सके।

भगवा पार्टी की महत्वपूर्ण भूमिका

फ्लाई ओवर ब्रिज निर्माण की धीमी गति को लेकर निरंतर भारतीय गण वार्ता पार्टी (भगवा पार्टी) द्वारा धार्मिक आयोजनों के माध्यम से रेलवे एवं सेतु निगम सहित जिला प्रशासन को सचेत करने के लिए ईश्वर का सहारा लेकर कार्यक्रम कराया जा रहा है। भगवा पार्टी के जिला अध्यक्ष पं. कन्हैयालाल मिश्रा ने कहा कि सनातन संस्कृति में जब कोई महत्वपूर्ण कार्य लंबे समय तक बाधित रहता है, तब ईश्वर से मार्गदर्शन हेतु यज्ञ, मंत्रोच्चारण एवं हनुमान चालीसा पाठ किया जाता है। उन्होंने कहा, "कवन सो काज सकल जग माहीं, जो नहि होय तात तुम पाहिं" इसी भावना के साथ यह आयोजन किया गया है, ताकि वर्षों से लंबित फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण शीघ्र पूर्ण हो सके और नगरवासियों को राहत मिल सके। विधिवत हवन-यज्ञ एवं प्रसाद वितरण भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी आगामी योजना में सुंदरकांड का पाठ एवं इसके पश्चात लंका दहन का कार्यक्रम भी निश्चित है जिसे आने वाले समय में किया जाएगा।

पवित्र नगरी अमरकंटक शीतलहर की चपेट में

एक सप्ताह से जम रही बर्फ, रुई के समान कांच की तरह जमी सफेद चादर

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में विगत एक सप्ताह से भीषण ठंड और शीतलहर का प्रकोप जारी है। तापमान लगातार शून्य के करीब बना हुआ है और ठंड नया रिकॉर्ड बनाने की ओर अग्रसर दिखाई दे रही है। बीते छह दिनों से लगातार बर्फ जमने की स्थिति बनी हुई है, जिससे संपूर्ण नगर शीतलहर की गिरफ्त में आ गया है। मां नर्मदा नदी के रामघाट उत्तर एवं दक्षिण तट, आसपास के खुले मैदानों तथा इंद्रद्धमन तालाब क्षेत्र में घास, फूल और पत्तियों पर रुई के समान सफेद बर्फ जमती नजर आ रही है। रामघाट दक्षिण तट के पार्क एवं मैदानों की घास पर बर्फ की सफेद चादर बिछी रहती है, जो सुबह के समय

कांच की तरह चमकती दिखाई देती है। दिन में भी ठंड का असर स्पष्ट रूप से महसूस किया जा रहा है। वर्तमान में दिन का तापमान जहां 20 से 22 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है, वहीं रात्रि में तापमान 0 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच जा रहा है। दिन और रात के तापमान में लगभग 20 डिग्री सेल्सियस का अंतर होने से ठंड का असर और अधिक बढ़ गया है। भीषण ठंड के चलते गरीब, मजदूर एवं श्रमिक वर्ग को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं नर्मदा परिक्रमा पर निकले साधु-संत एवं परिक्रमावासी भी इस ठंड से प्रभावित हैं। इसके बावजूद पर्यटक, तीर्थ यात्री एवं भक्त श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी देखने को नहीं मिल रही है और नर्मदा दर्शन व परिक्रमा का क्रम निरंतर जारी है। ठंड के इस कठिन समय में सेवा और संवेदना का भाव भी देखने को मिल रहा है। दूरस्थ अंचलों से आए संपन्न भक्त श्रद्धालुओं एवं समाजसेवियों द्वारा गरीब, अनाथ एवं असहाय लोगों को ऊनी कंबल, शॉल एवं गर्म वस्त्र वितरित किए जा रहे हैं। वहीं स्थानीय प्रशासन एवं नगर परिषद अमरकंटक द्वारा नगर के विभिन्न स्थानों पर ठंड से बचाव के लिए अलाव जलाने की व्यवस्था की गई है। कुल मिलाकर पवित्र नगरी अमरकंटक इन दिनों भीषण ठंड, बर्फबारी जैसी स्थिति और आस्था की गर्माहट तीनों का अनूठा संगम प्रस्तुत कर रही है।

आठवें दिन तीन हाथियों ने धनगवां के जंगल में जमाया डेरा

देर रात एक घर एवं फसल का किया नुकसान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

तीन हाथियों का समूह निरंतर आठ दिनों से अनूपपुर जिले के जैतहरी इलाके के धनगवां बीट के जंगल में निरंतर डेरा जमाए हुए हैं जो शाम रात होते ही जंगल से लगे टोला, मोहल्ला में निकल कर ग्रामीणों के घरों एवं खेतों में लगी फसलों को नुकसान कर रहा है, हाथियों के डर के कारण ग्रामीण जन रात रात भर जागकर रात बिताने को बाध्य है। अनूपपुर जिले के जैतहरी तहसील, थाना एवं वन परिक्षेत्र के धनगवां बीट का जंगल जो ग्राम पंचायत कुकुरगोंड़ा, पड़रिया एवं क्योटार के कई टोला, मोहल्ला की सीमा पर बसा हुआ है के जंगल में विगत 8 दिनों से तीन हाथियों का समूह छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा से प्रवेश कर निरंतर विचरण कर रहा है जो दिन के समय धनगवां बीट के जंगल में प्रत्येक दिन अलग-अलग स्थान में ठहरकर विश्राम करने बाद देर रात होने पर ग्रामीण एवं वन विभाग की गस्ती दल को चकमा देते हुए कभी कुकुरगोंड़ा के बेल्हाटोला तो कभी पड़रिया के चोई गांव से लगे भलुवान घर टोला, गोढाटोला तो कभी क्यौटार पंचायत के

कुसुमहाई गांव से लगे पालाडोंल एवं झंडीटोला में अचानक पहुंचकर आहार की तलाश में ग्रामीणों की संपत्ति का नुकसान करते हुए सुबह होते ही वापस जंगल में विश्राम करने चले जाते हैं विगत रविवार की रात कुकुरगोड़ा पंचायत के बेल्हाटोला निवासी रामेश्वर सिंह कि घर देर रात अचानक हाथी पहुंचकर घर में तोड़फोड़ कर घर के अंदर रखे सामान को आहार बनाया वहीं सोमवार की देर रात अचानक तीनों हाथी जंगल से निकल कर ग्राम पंचायत पड़रिया के चोई गांव के गोढाटोला में विश्वनाथ भरिया एवं तुला राठौर के मिट्टी एवं पत्थर से बने बाउंड्री बाल को तोड़ते हुए तुला पिता सरमन राठौर के खेत में लगे गेहूं की फसल को देर रात तक खाते रहे जो आसपास विचरण करते हुए मंगलवार की सुबह फिर से धनगवां बीट के जंगल महुआगोंड़ा के पास पहुंचकर विश्राम कर रहे हैं, सोमवार की रात गोंढाटोला में एक बच्ची परीक्षा के कारण घर में देर रात तक अध्ययन कार्य कर रही थी तभी अचानक उसे बाउंड्री वॉल टूटने की आहट मिलने पर बाहर निकल कर देखी थी तीन हाथी बाउंड्री तोड़कर रोड पर तुला राठौर के खेत में लगे गेहूं में पहुंचकर गेहूं खा रहे हैं हो-हल्ला होने पर पूरा मोहल्ला जाग कर रात भर हाथियों के विचरण एवं गेहूं को खाता देखते हुए हाथियों को खेत से बाहर की जाने की कोशिश की हाथियों के विचरण की सूचना पर वन विभाग का गस्ती दल मौके पर पहुंचकर हाथियों को गेहूं की फसल से एवं एक ग्रामीण के बांडी में घुसने पर बाहर किए जाने हेतु अनेकों बार पटाखा फोड़ कर भगाए जाने का प्रयास किया किंतु तीनों हाथियों पर पटाखा एवं ग्रामीणों के हो-हल्ला का कोई प्रभाव नहीं पड़ा तीनों हाथी पूरी मस्ती से मन लगाकर गेहूं की फसल को अपना आहार बनाते रहे हैं कुछ घंटे बाद ज्यादा हो-हल्ला होने पर तीनों हाथी गांव में नाला के पास स्थित लिप्टिस एवं बांस प्लांटेशन में घुसकर आराम करते हुए सुबह होते ही फिर से जंगल की ओर चले गए हाथियों के कारण हाथी प्रभावित क्षेत्र के कई ग्राम के ग्रामीण रात रात भर जाग कर रात बिताने को बाध्य है।

प्रबंधन को करोड़ों की चपत, मुआवजा व रोजगार की माँग पर अड़े ग्रामीण

प्रभावित किसानों ने संपूर्ण खदान को किया बंद

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

रामपुर बटुरा खुली खदान परियोजना के प्रभावित किसानों ने मंगलवार सुबह 11 बजे से संपूर्ण खदान को बंद कर दिया। किसानों का कहना है कि वे लंबे समय से मुआवजा, रोजगार और विस्थापन से जुड़े मुद्दों के समाधान की मांग कर रहे हैं, लेकिन प्रबंधन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाने के कारण उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा। किसानों ने पहले सड़क पर प्रदर्शन किया और निर्धारित समय तक प्रबंधन से खदान बंद करने की मांग की। जब अंदर की मशीनरी बंद नहीं हुई तो सैकड़ों की संख्या में किसान खदान परिसर में घुस गए और जोरदार विरोध के बाद खदान को पूरी तरह से बंद कराया गया। किसानों का दावा है कि खदान बंद होने से प्रबंधन को करोड़ों रुपये का नुकसान हो रहा है। किसानों की मुख्य माँगें में सभी प्रभावित मकानों का पूर्ण मुआवजा एक साथ दिए जाने, लंबित रोजगार फाइलों पर तुरंत नियुक्ति दिए जाने, सेलोसियम पट्टों के बदले पक्के मकान उपलब्ध कराए जाने, आर एंड आर सहायता राशि 3 लाख से बढ़ाकर 10 लाख की जाने, स्थानीय किसानों के छोटे-छोटे विवादों का समाधान धरना स्थल पर ही किए जाने की मांगे रखी। किसानों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी सभी माँगें पूरी नहीं होतीं, खदान बंद रहेगी और आंदोलन जारी रहेगा। आंदोलन का नेतृत्व भूपेश शर्मा, राजकमल मिश्रा, रमेश सिंह, मनमोहन चौधरी सहित अनेक स्थानीय प्रतिनिधियों ने किया। साथ ही रामपुर, बैरिया, बटुरा, अटरिया, खैरबना, बिछिया, चक खमरौद, गीतटोला, मदनीटोला व आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। सांसद व विधायक प्रतिनिधि, कई सरपंच, उपसरपंच और स्थानीय संगठनों के पदाधिकारी भी आंदोलन स्थल पर मौजूद रहे। ट्रांसपोर्ट यूनियन एसोसिएशन बुढ़ार के मोटर मालिक भी किसानों के समर्थन में पहुँचे। सूत्रों के अनुसार एसईसीएल प्रबंधन के कुछ अधिकारी मौके पर पहुँचे, लेकिन आपसी सहमति नहीं बनने के कारण उन्हें वापस लौटना पड़ा। ग्रामीणों का आरोप है कि परियोजना को चालू हुए लगभग तीन वर्ष हो चुके हैं, पर अब तक एसईसीएल ने प्रभावित परिवारों के साथ न्याय नहीं किया है।

अनूपपुर रक्सा कोलमी में न्यू जोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (टोरेंट पावर) की सीएसआर पहल

संवाद, शिक्षा, खेल और स्वास्थ्य को मिला सशक्त आधार पारदर्शिता, सहभागिता और आपसी विश्वास विकास की आधारशिला- कंपनी प्रबंधन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जनसुनवाई से पूर्व संवाद, शिक्षा, खेल और स्वास्थ्य को मिला सशक्त आधार न्यू जोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (टोरेंट पावर) द्वारा परियोजना प्रभावित क्षेत्र रक्सा कोलमी में कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी सीएसआर के अंतर्गत सामाजिक सहभागिता को मजबूत करने की दिशा में विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इन पहलों का उद्देश्य जनसुनवाई से पूर्व पारदर्शी संवाद स्थापित करना, स्थानीय समुदाय का विश्वास सुदृढ़ करना तथा शिक्षा, खेल और स्वास्थ्य जैसे मूलभूत क्षेत्रों में सकारात्मक योगदान देना रहा। जनसुनवाई से पूर्व ग्राम कोलमी में न्यू जोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड पॉवर प्लांट (टोरेंट प्राइवेट लिमिटेड) के महाप्रबंधक सुशील कांत मिश्रा ने खातेदारों, श्रमिकों एवं ग्रामीणजनों के साथ संवाद बैठक आयोजित की। बैठक

में सात जनवरी को होने वाली पर्यावरण जनसुनवाई की जानकारी रक्सा कोलमी के किसानों को दी गई इस दौरान परियोजना की रूपरेखा, प्रस्तावित विकास कार्यों तथा पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन (आरएंडआर) योजना से संबंधित बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई और ग्रामीणों की जिज्ञासाओं एवं चिंताओं का समाधान किया गया। इस अवसर पर ग्राम सरपंच सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं प्रमुख नागरिक उपस्थित रहे। कंपनी प्रबंधन ने पारदर्शिता, सहभागिता और आपसी विश्वास को विकास की आधारशिला बताया। इसी क्रम में सीएसआर मद के अंतर्गत ग्राम कोलमी के दो विद्यालयों में विद्यार्थियों को खेलकूद सामग्री (स्पोर्ट्स किट) एवं डेस्कबेंच वितरित किए गए। बच्चों से सीधे संवाद कर उन्हें शिक्षा के साथ-साथ खेल गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। कंपनी ने स्पष्ट किया कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और खेलों को बढ़ावा देना ग्रामीण प्रतिभाओं के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, ग्राम पंचायत रक्सा के खेल मैदान में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 190 ग्रामीणों (71 महिलाएं एवं 58 पुरुष) के साथ स्कूली बच्चों का भी स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा रोगानुसार निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। शिविर में हेड ओम प्रकाश नैनीवाल की उपस्थिति रही। कंपनी ने दोहराया कि शिक्षा, स्वास्थ्य और निरंतर संवाद के माध्यम से स्थानीय समुदाय के साथ साझेदारी में सतत एवं समावेशी विकास को आगे बढ़ाना उसकी प्रतिबद्धता है।